# पाठ्यक्रम

# बी.ए. (ऑनर्स) हिन्दी

## (2014 - 2015)


**हिन्दी विभाग**

**मानविकी एवं भाषा संकाय**

**जामिया मिल्लिया इस्लामिया**

**नई दिल्ली-110025**

## जामिया मिल्लिया इस्लामिया : परिचय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया की स्थापना 1920 में अलीगढ़ में हुई थी। यह समय भारत के इतिहास में स्वतंत्रता आंदोलन का था। गांधी जी ने अंग्रेजी सरकार }kj{k चलाए जा रहे शिक्षा संस्थानों का यह कह कर विरोध किया था कि ये राष्ट्रहित के विरोध में काम करते हैं। ख़िलाफ़त तथा असहयोग आंदोलन इसी उद्देश्य के तहत आरंभ किए गए थे। जिन महान लोगों ने गांधी जी की इस आवाज़ पर इन आंदोलनों में भाग लिया उनमें शैख़ुलहिन्द मौलाना महमूद हसन, मौलाना मोहम्मद अली, हकीम अजमल ख़ां, डॉ. मुख़्तार अहमद अंसारी, अब्दुल मजीद ख़्वाजा तथा डॉ. ज़ाकिर हुसैन प्रमुख थे। इन लोगों ने न केवल जामिया मिल्लिया इस्लामिया की स्थापना की, बल्कि इस चमन को अपने ख़ून-पसीने से सींच कर आबाद भी किया।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया 1925 में अलीगढ़ से दिल्ली स्थानांतरित हो गई। तब से लेकर आज तक जामिया दिन दूनी रात चौगुनी तरक़्क़ी कर रही है तथा समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को ढालने में सक्षम रही है। अपने संस्थापकों के सपनों को साकार करते हुए जामिया अपने छात्रों के सर्वांगीण विकास की दिशा में प्रयासरत है।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के संस्थापकों का सदैव इस बात पर बल रहा है कि शिक्षा की पारम्परिक जड़ों को मज़बूत किया जाए। जामिया ने इस का हमेशा प्रयास किया है कि छात्रों में देश के इतिहास, उसकी संस्कृति तथा इस्लाम के इतिहास की बेहतर समझ पैदा हो। इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर जामिया में

इस्लाम की शिक्षा के साथ-साथ हिन्दू धर्मशास्त्र तथा भारतीय धर्म और संस्कृति जैसे विषयों की शिक्षा का प्रावधान किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में अभिनव प्रयोग करते हुए जामिया के संस्थापकों ने यहाँ के शैक्षणिक कार्यक्रमों तथा पाठ्यक्रम सम्बंधी गतिविधियों में राष्ट्रीय तथा सार्वभौमिक आयाम जोड़े। इस बात का सदैव ध्यान रखा गया कि जामिया के छात्रों को मूल्य-आधारित शिक्षा दी जाए और उन्हें बेहतर नागरिक बनाने की दिशा में कार्य किया जाए। जामिया के छात्र व्यक्तिगत रुचि के पाठ्यक्रमों को पढ़ते हुए भी सामाजिक उत्तरदायित्व के बोध से वंचित न हों। दूसरे विश्वविद्यालयों की तरह जामिया ने भी तकनीकी शिक्षा, बी.डी.एस, फिजियोथेरेपी, इंजीनियरिंग, कॉमर्स, फ़ाइन **vkVZ l**, जनसंचार, सूचना तकनीक तथा विस्तार शिक्षा के क्षेत्र में काफी प्रगति की है। यहाँ एकेडमिक स्टाफ कॉलेज तथा थर्ड वर्ल्ड स्टडीज़ एवं अध्ययन के विभिन्न केन्द्रों की भी स्थापना की गई है।

जामिया में शिक्षा का माध्यम मुख्य रूप से उर्दू, हिन्दी तथा अंग्रेज़ी है। यहाँ शिक्षा का उद्देश्य उच्च ज्ञान के स्रोत को ज्ञान के दूसरे क्षेत्रों के साथ जोड़ना है। विश्वविद्यालय अपने छात्रों तथा शिक्षकों को शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने की सदैव कोशिश करता है। कुछ प्रमुख बातें इस प्रकार हैं:

(क) शिक्षा में नवीनता लाने के उद्देश्य से समय-समय पर पाठ्यक्रमों में फेरबदल। पढ़ाने के नये-नये तरीक़े तथा व्यक्तित्व विकास पर विशेष बल।
(ख) विभिन्न अनुशासनों में शिक्षा।
(ग) अन्तर-अनुशासनात्मक अध्ययन।
(घ) राष्ट्रीय एकता, धर्म निरपेक्षता तथा अंतर्राष्ट्रीय समझ।

## हिन्दी विभाग: संक्षिप्त परिचय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में हिन्दी का पठन-पाठन विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही आरंभ हो गया था। जामिया के संस्थापकों ने हिन्दी भाषा के शिक्षण को यथोचित महत्व दिया। एक लंबे समय तक यहाँ स्नातक स्तर पर ही हिन्दी भाषा एवं साहित्य का अध्ययन-अध्यापन होता रहा। केन्द्रीय विश्वविद्यालय बनने से कुछ वर्ष पूर्व 1983 में यहाँ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया। एम. ए. के पाठ्यक्रम में शुरू से ही जनसंचार तथा रचनात्मक लेखन को महत्व दिया गया और रचनात्मक लेखन एवं पत्रकारिता को वैकल्पिक प्रश्न पत्र के रूप में पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया। देश के किसी भी विश्वविद्यालय में इस प्रकार का यह पहला पाठ्यक्रम था। सन् 1994 में विभाग में जनसंचारपरक लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा आरंभ किया गया। इसकी सफलता को देखते हुए सन् 2001 में हिन्दी विभाग में टी. वी. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा शुरू किया गया। सम्प्रति हिन्दी विभाग में इन दोनों डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के अलावा बी. ए. ऑनर्स मास मीडिया (हिन्दी), एम. ए. और एम. फिल् का अध्ययनअध्यापन हो रहा है। सन् 1985 से निरंतर यहाँ शोध-कार्य (पीएच. डी.) भी हो रहा है। विभाग साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन सम्बंधी शोध कार्यों को प्रोत्साहन देता है। हिन्दी विभाग में जामिया का एक अनिवार्य पाठ्यक्रम 'हिन्दू धर्म शास्त्र' भी पढ़ाने की व्यवस्था है।

विभाग के अनेक सदस्य महत्वपूर्ण पुरस्कारों से सम्मानित किए गए हैं तथा विदेशों में भी हिन्दी अध्यापन का कार्य कर चुके हैं।

## विभागीय सदस्य

1. प्रो. दुर्गा प्रसाद गुप्त (अध्यक्ष), एम. ए., एम. फिल., पीएच. डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)
2. प्रो. महेन्द्रपाल शर्मा, एम.ए., एम.फिल्., पीएच. डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)
3. प्रो. हेमलता महिश्वर, एम.ए., बी. एड., एम.फिल., पीएच. डी. (गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, विलासपुर)
4. डॉ. कृष्ण कुमार कौशिक, एम.ए., एम.फिल्, पीएच. डी. (दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
5. डॉ. अनिल कुमार, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़)
6. डॉ. इन्दु वीरेन्द्रा, एम. ए., एम. फिल., पीएच. डी. (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
7. डॉ. चन्द्रदेव सिंह यादव, एम.ए., पीएच. डी. (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
8. डॉ. नीरज कुमार, एम. ए., एम. फिल., पीएच. डी. (दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
9. डॉ. कहकशां एहसान साद, एम.ए., पीएच. डी. (अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़)
10. डॉ. विवेक दुबे, एम.ए., पीएच. डी. (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
11. डॉ. दिलीप कुमार शाक्य, एम. ए., एम. फिल., पीएच. डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

12. डॉ. अब्दुर्रहमान मुसव्विर, एम. ए., एम. एड., एम. फिल्., पीएच. डी., पी.जी. डिप्लोमा मास मीडिया (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
13. डॉ. मुकेश कुमार मिरोठा, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
14. डॉ. अजय कुमार नावरिया, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

## बी.ए. (ऑनर्स) हिन्दी


| अनुक्रम | पृष्ठ सं. |
|---|---|
| **सत्र-1** | |
| पाठ्यक्रम 1 : हिन्दी साहित्य का इतिहास-I | 13 |
| पाठ्यक्रम 2 : हिन्दी भाषा का इतिहास | 15 |
| **सत्र-2** | |
| पाठ्यक्रम 3 : प्राचीन एवं निर्गुण काव्य | 19 |
| पाठ्यक्रम 4 : सगुण एवं रीति काव्य | 24 |
| **सत्र-3** | |
| पाठ्यक्रम 5 : हिन्दी साहित्य का इतिहास-II | 31 |
| पाठ्यक्रम 6 : हिन्दी गद्य- विविध रंग | 33 |
| पाठ्यक्रम 7 : हिन्दी उपन्यास-I | 35 |
| **सत्र-4** | |
| पाठ्यक्रम 8 : हिन्दी निबंध | 39 |
| पाठ्यक्रम 9 : साहित्य शास्त्र | 41 |
| पाठ्यक्रम 10 : हिन्दी कहानी-I | 43 |
| **सत्र-5** | |
| पाठ्यक्रम 11 : हिन्दी नाटक | 47 |
| पाठ्यक्रम 12 : हिन्दी उपन्यास-II | 49 |
| पाठ्यक्रम 13 : हिन्दी कहानी-II | 51 |

पाठ्यक्रम 14 : लोकसाहित्य 53
पाठ्यक्रम 15 : वैकल्पिक प्रश्न पत्र 55
(क) मीरां 55
(ख) रहीम 58
(ग) मोहन राकेश 61
(घ) नागार्जुन 63

**सत्र-6**

पाठ्यक्रम -16 : हिन्दी आलोचना 67
पाठ्यक्रम -17 : आधुनिक कविता-I 69
पाठ्यक्रम -18 : आधुनिक कविता-II 72
पाठ्यक्रम -19 : व्यंग्य साहित्य 75
पाठ्यक्रम -20 : वैकल्पिक प्रश्नपत्र 77
(क) हिन्दी पत्रकारिता 77
(ख) कार्यालयी हिन्दी 79
(ग) जनसंचार माध्यम लेखन 81
(घ) हिन्दीतर गद्य साहित्य 83

# बी.ए. (ऑनर्स) हिन्दी
# सत्र-1

**पाठ्यक्रम 1 हिन्दी साहित्य का इतिहास 4 क्रेडिट 100 (75+25)**

इकाई-1 **आदिकाल**

सामान्य परिचय

प्रमुख प्रवृत्तियाँ- सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, रासो साहित्य

जैन साहित्य, लौकिक साहित्य

इकाई-2 **भक्ति काल**

सामान्य परिचय

भक्ति आंदोलन

प्रमुख प्रवृत्तियाँ - संत काव्य, सूफी काव्य, राम काव्य, कृष्ण काव्य

इकाई-3 **रीति काल**

सामान्य परिचय

प्रमुख प्रवृत्तियाँ - रीतिबद्ध, रीति सिद्ध, रीति मुक्त

इकाई-4 उपर्युक्त तीनों इकाइयों से टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी।

**अंक विभाजन**

| | | | |
|---|---|---|---|
| पूर्णांक | 100 | | |
| आंतरिक मूल्यांकन | 25 | टर्म पेपर | 10 |
| | | सेमिनार | 15 |
| सैद्धांतिक | 75 | आलोचनात्मक प्रश्न | 20X3=60 |
| | | टिप्पणी | 5X3=15 |

**अनुमोदित ग्रंथः**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | हिन्दी साहित्य का इतिहास | रामचंद्र शुक्ल |
| 2. | हिन्दी साहित्य का आदिकाल | हजारी प्रसाद fn0}h |
| 3. | हिन्दी साहित्य का अतीत | विश्वनाथ प्रसाद मिश्र |
| 4. | हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास | रामकुमार वर्मा |
| 5. | हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास | गणपतिचंद्र गुप्त |
| 6. | हिन्दी साहित्य का इतिहास | सं. डॉ. नगेंद्र |
| 7. | हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास | राम स्वरूप चतुर्वेदी |
| 8. | हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास | बच्चन सिंह |
| 9. | हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास | विश्वनाथ त्रिपाठी |
| 10. | हिन्दी साहित्य का विवेचनपरक इतिहास | मोहन अवस्थी |

**पाठ्यक्रम 2 हिन्दी भाषा का इतिहास 4 क्रेडिट 100 (75+25)**

इकाई-1 **हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास :**

उत्तरवर्ती अपभ्रंश एवं अवहट्ठ

विभिन्न बोलियों का विकास : खड़ी बोली, उर्दू, हिन्दुस्तानी

इकाई-2 **हिन्दी बोलियाँ एवं भाषा-रूप**

हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ - अवधी, ब्रज, भोजपुरी, छत्तीसगढ़ी, मारवाड़ी

हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप - बोलचाल की भाषा, रचनात्मक भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, सम्पर्क भाषा, संचार भाषा

इकाई-3 **हिन्दी भाषा की समस्याएँ**

खड़ी बोली हिन्दी के क्षेत्रीय रूप

हिन्दी भाषा का मानकीकरण

हिन्दी का शब्द भंडार - तत्सम, तद्भव, देशज, आगत शब्दावली

इकाई-4 उपर्युक्त तीनों इकाइयों से टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी।

**अंक विभाजन**

| | | | |
|---|---|---|---|
| पूर्णांक | 100 | | |
| आंतरिक मूल्यांकन | 25 | टर्म पेपर | 10 |
| | | सेमिनार | 15 |
| सैद्धांतिक | 75 | आलोचनात्मक प्रश्न | 20X3=60 |
| | | टिप्पणी | 5X3=15 |

**अनुमोदित ग्रंथ**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | हिन्दी भाषा का इतिहास | भोलानाथ तिवारी |
| 2. | हिन्दी भाषा | हरदेव बाहरी |
| 3. | पुरानी हिन्दी | चंद्रधर शर्मा गुलेरी |
| 4. | भारत की भाषा समस्या | रामविलास शर्मा |
| 5. | हिन्दी भाषा में अपभ्रंश का योग | नामवर सिंह |
| 6. | हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास | उदयनारायण तिवारी |

# बी.ए. (ऑनर्स) हिन्दी

# सत्र-2

**पाठ्यक्रम 3 प्राचीन एवं निर्गुण काव्य 4 क्रेडिट 100 (75+25)**

इकाई-1 : **आदिकालीन काव्य की पृष्ठभूमि**

आदिकालीन काव्य की प्रमुख विशेषताएँ
निर्गुण काव्य की पृष्ठभूमि
संत काव्य की प्रवृत्तियाँ
सूफी काव्य की प्रवृत्तियाँ

इकाई-2 : **प्राचीन काव्य : निर्धारित कवि एवं पाठ**

**नरपति नाल्ह (बीसलदेव रासो : सं. माताप्रसाद गुप्त)**

**छंद**

1. गउरिका नंदन त्रिभुवन सार
2. नाल्ह रसाइन रसभरि गाइ
3. भोजराज तणउ मिल्यउ छह दिवाण
4. मेल मिली तिहां हरिषयउ राउ
5. सात सहेलीय बइठी छह आइ
6. पाटि बइठीछह राजकुमारी
7. गरब करि वोलियउ सइंभरि वाल
8. थारउ जनम हूउ गोरी जेसलमेरी

**अमीर खुसरो (अमीर खुसरो : सं. डॉ. परमानंद पांचाल)**

**गीत**

1. बहुत कठिन है डगर पनघट की

2. सगन बन फूल रही सरसों
3. अम्मा मोरे बाबुल को भेजो जी

**ग़ज़ल** 1. जब यार देखा नैन भर

**दोहे** 1. खुसरू रैन सोहाग की
2. गोरी सोवै सेज पर
3. वो गए बालम
4. भाई रे मल्लाहो हम
5. सेज सूनी देख के
6. खुसरो ऐसी पीत कर

**विद्यापति (विद्यापति पदावली : सं. रामवृक्ष बेनीपुरी)**

**पद**

1. नंदक नंदन कदंबक तरु तर
2. ए धनी कामिनि सुनु हित बानि
3. अभिनव पल्लव बसइक देल
4. कतए गेला मोर बुढ़वा जती
5. माधव, कत तोर करब बड़ाई

इकाई-3 : **निर्गुण काव्य**

**कबीर (कबीर : साखी और सबद : सं. पुरुषोत्तम अग्रवाल)**

**पद** 1. संतौ भाई आई ग्यान की आंधी
2. एक निरंजन अलह मेरा
3. एक अचंभा ऐसा भया

4. मोको कहां ढूंढे बंदे

**साखी** 1. कबीर यहु घर प्रेम का
2. गुर दाधा चेला जल्या
3. पाणी ही तें हिम भया
4. पल की सुधि नहीं
5. जे काटौ तो डहडही
6. कथणी कथी तौ का भया

**जायसी (नागमती - वियोग खण्ड : जायसी ग्रंथावली : सं. रामचंद्र शुक्ल)**

**छंद** 1. नागमती चितउर पथ हेरा
2. चढ़ा असाढ़, गगन घन बाजा
3. सावन बरस मेह अति पानी
4. अगहन दिवस घटा निसि बाढ़ि
5. फागुन पवन झँकोरा बहा
6. कुहु कि कुहु कि जस कोइल रोई

**गुरु नानक देव (गुरु नानक देव वाणी और विचार : सं. डॉ. रमेशचंद्र मिश्र)**

**सबद** 1. वणजु करहु वर्ण जारिहो
2. काची गागरि देह दुहेली
3. तेरी नामु करी चनणाठीआ
4. गगन मैं थालु रवि चंदु

**साखी** 1. जिनी न पाइयो प्रेम रसु

2. घर महि घरु दिखाइ
3. मन का सुतकू लोभु है
4. कलि काती राजे कासाई
5. सभु को निवै
6. सचु वरतु संतोखु

f}rh; और तृतीय इकाइयों से व्याख्यात्मक प्रश्न तथा तीनों इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

इकाई-4 **उपर्युक्त तीनों इकाइयों** से टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी।

**अंक विभाजन**

| | | | |
|---|---|---|---|
| पूर्णांक | 100 | | |
| आंतरिक मूल्यांकन | 25 | टर्म पेपर | 10 |
| | | सेमीनार | 15 |
| सैद्धांतिक | 75 | आलोचनात्मक प्रश्न | 15X2=30 |
| | | व्यावहारिक समीक्षा | 10X3=30 |
| | | टिप्पणी | 5X3=15 |

## अनुमोदित ग्रंथ

| | | |
|---|---|---|
| 1. | बीसलदेव रासो | नरपति नाल्ह<br>सं. माताप्रसाद गुप्त |
| 2. | जायसी ग्रन्थावली | सं. रामचन्द्र शुक्ल |
| 3. | अमीर खुसरो | भोलानाथ तिवारी |
| 4. | खुसरो की हिन्दी कविता | ब्रजरत्न दास |
| 5. | विद्यापति | शिवप्रसाद सिंह |
| 6. | कबीर | हजारीप्रसाद fno}h |
| 7. | जायसी | विजयदेव नारायण साही |
| 8. | जायसी | सं. सदानंद साही |
| 9. | पद्मावत का मूल्यांकन | डॉ. जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव,<br>डॉ. हरेन्द्र प्रताप सिन्हा |
| 10. | सूफी मत: साधना और साहित्य | रामपूजन तिवारी |
| 11. | हिन्दी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति | श्यामसुंदर शुक्ल |
| 12. | भक्ति काव्य की भूमिका | प्रेमशंकर |
| 13. | अकथ कहानी प्रेम की | पुरुषोत्तम अग्रवाल |
| 14. | गुरुवाणी प्रकाश | हरमहेन्द्र सिंह |

**पाठ्यक्रम 4 सगुण एवं रीति काव्य 4 क्रेडिट 100 (75+25)**

इकाई-1 : **सगुण एवं रीति काव्य की पृष्ठभूमि**

सगुण काव्यः सामान्य परिचय

राम काव्य, कृष्ण काव्य

रीति काव्यः सामान्य परिचय

रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त

इकाई-2 : **निर्धारित पाठ**

**सूरदास (सूरसागर : सं. धीरेन्द्र वर्मा)**

**पद**
1. हमारे प्रभु, औगुन चित न धरो
2. मेरो मन अनत कहाँ
3. जसोदा हरि पालनैं झुलावै
4. खेलत मैं को काकौ गुसैयाँ
5. मुरली तऊ गोपालहि भावति
6. आयौ घोष बड़ो ब्यौपारी

**तुलसीदास (रामचरित मानस : सं. हनुमानप्रसाद पोद्दार)**

बालकांड 240 से 245 छंद तक

**रसखान (रीतिकाव्य संग्रह : जगदीश गुप्त)**

**पद**
1. एरी आजु काल्हि सब
2. मोर पखा सिर ऊपर राखिहौं
3. सोहत है चंदवा सिर

4. कानन दै अंगुरी
5. औचक दीठि परे कहूँ कान्ह

इकाई-3 : **निर्धारित पाठ**

**मतिराम (रीतिकाव्य संग्रह : जगदीश गुप्त)**

**कवित्त** 1. कुंदन कौ रंगु फीकौ लगै
2. जा दिन तैं छबि सौं मुस्क्यात कहूँ

**सवैया** 1. जमुना के तीर बहैं सीतल
2. जा दिन तैं चलिबै की चरचा चलाई

**दोहे** 1. ग्रीष्म हूँ रितु मैं भरी
2. दिपै देह दीपति
3. होत दसगुनो अंकु है
4. पिय आगम सुनि बाल
5. नंदलाल के रूप पर
6. पिया मिलाप के हेत

` **बिहारी (बिहारी रत्नाकर : सं. जगन्नाथदास 'रत्नाकर')**

**दोहे**

1. बसै बुराई जासु तन
2. इहीं आस अटक्यौ रहतु
3. बतरस लालच लाल की
4. नहिं पावस ऋतुराज
5. अरुनसरोरुह-कर-चरन
6. कहलाने एकत बसत

7. कहा कुसुम, कह कौमुदी
8. बुरौ बुराई जौ तजै
9. अनियारे, दीरघ दृगनु
10. ओछे बड़े न ह्वै सकैं
11. एरी, यह तेरी, दई
12. कर-मुँदरी की आरसी

**घनानंद (घनानंद कवित्त : सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)**

कवित 1. तपति उसास औधि रूंधियै
2. मेरो जीव तोहिं चाहैं
3. अंतर मैं बासी पै प्रबासी

सवैया 1. पहिले अपनाय सुजान सनेह
2. इत ckV परी सुधि
3. इत भायनि भाँवरे भौंर

घनानंद कवित - सं विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

f}rh; एवं तृतीय इकाइयों से व्याख्यात्मक प्रश्न तथा तीनों ही इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

इकाई-4 **उपर्युक्त तीनों इकाइयों** से टिप्पणियाँ पूछी जाएंगी।

**अंक विभाजन**

| | | | |
|---|---|---|---|
| पूर्णांक | 100 | | |
| आंतरिक मूल्यांकन | 25 | टर्म पेपर | 10 |
| | | सेमीनार | 15 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| सैद्धांतिक | 75 | आलोचनात्मक प्रश्न | 15X2=30 |
| | | व्यावहारिक समीक्षा | 10X3=30 |
| | | टिप्पणी | 5X3=15 |

**अनुमोदित ग्रंथ**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | मध्यकालीन बोध का स्वरूप | हजारी प्रसाद fn0}h |
| 2. | सूरदास | रामचन्द्र शुक्ल |
| 3. | भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य | मैनेजर पाण्डेय |
| 4. | तुलसी | रामचन्द्र शुक्ल |
| 5. | बिहारी प्रकाश | विश्वनाथप्रसाद मिश्र |
| 6. | रसखान | विद्यानिवास मिश्र |
| 7. | रीति-काव्य संग्रह | जगदीश गुप्त |
| 8. | रीति काव्य की भूमिका | डॉ. नगेन्द्र |
| 9. | हिन्दी रीति साहित्य | डॉ. भागीरथ मिश्र |
| 10. | परम्परा का मूल्यांकन | रामविलास शर्मा |
| 11. | रीति काव्य की इतिहास दृष्टि | डॉ. सुधीन्द्र कुमार |
| 12. | तुलसी | उदयभानु सिंह |

# बी.ए. (ऑनर्स) हिन्दी

# सत्र-3

**पाठ्यक्रम 5 हिन्दी साहित्य का इतिहास-।। 4 क्रेडिट 100 (75+25)**

**इकाई -1 : आधुनिक काल**

सामाजिक- सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
युगीन प्रवृत्तियाँ

**इकाई – 2 : आधुनिक कविता**

भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रयोगवाद,
प्रगतिवाद, नई कविता,
समकालीन कविता (परिचय एवं प्रवृत्तियाँ)

**इकाई -3 : हिन्दी गद्य का विकास**

उन्नीसवीं सदी का हिन्दी गद्य
स्वतंत्रतापूर्व हिन्दी गद्य
स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी गद्य

**इकाई - 4 :** उपर्युक्त तीनों इकाइयों से टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी।

**अंक विभाजन**

| | | | |
|---|---|---|---|
| पूर्णांक | 100 | | |
| आंतरिक मूल्यांकन | 25 | टर्म पेपर | 10 |
| | | सेमिनार | 15 |
| सैद्धांतिक | 75 | आलोचनात्मक प्रश्न | 20X3=60 |
| | | टिप्पणी | 5X3=15 |

**अनुमोदित ग्रंथ**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | हिन्दी साहित्य का इतिहास | रामचंद्र शुक्ल |
| 2. | हिन्दी साहित्य का आदिकाल | हजारीप्रसाद द्विवेदी |
| 3. | हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास | रामकुमार वर्मा |
| 4. | हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास | गणपतिचंद्र गुप्त |
| 5. | हिन्दी साहित्य का इतिहास | सं. डॉ. नगेंद्र |
| 6. | हिन्दी साहित्य और संवेदना का इतिहास | रामस्वरूप चतुर्वेदी |
| 7. | हिन्दी साहित्य का दूसराइतिहास | बच्चन सिंह |
| 8. | हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास | विश्वनाथ त्रिपाठी |

**पाठ्यक्रम 6 हिन्दी गद्य- विविध रंग 4 क्रेडिट 100 (75+25)**

इकाई - 1 : **विविध गद्य विधाओं का परिचय**

रिपोर्ताज, व्यंग्य, रेखाचित्र, संस्मरण, पत्र साहित्य
आत्मकथा, जीवनी, यात्रावृत्तांत, डायरी

इकाई - 2 : **निर्धारित पाठ**

जीवनीः

| | |
|---|---|
| अखबार निकालने की धुन (कलम का सिपाही-14) | अमृत राय |

रेखाचित्रः

| | |
|---|---|
| दिल्ली : रात की बाहों में | मोहन राकेश |

यात्रा वृत्तांतः

| | |
|---|---|
| महेश्वर से चौबीस अवतार: ओंकारेश्वर (सौंदर्य की नदी नर्मदा) | अमृतलालबेगड़ |

आत्मकथाः

| | |
|---|---|
| मुर्दहिया तथा स्कूली जीवन (मुर्दहिया: पृ. 22-36 तक) | तुलसीराम |

इकाई - 3 : **निर्धारित पाठ**

| | |
|---|---|
| संस्मरण-ठकुरी बाबा | महादेवी वर्मा |
| व्यंग्य - सदाचार की तावीज़ | हरिशंकरपरसाई |
| पत्र- कविता में यथार्थवाद | केदारनाथअग्रवाल<br>रामविलास शर्मा |
| डायरी- यह मौसम नहीं आएगा फिर | निर्मल वर्मा |

इकाई - 4 : उपर्युक्त तीनों इकाइयों से टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी।

**अंक विभाजन**

| | | | |
|---|---|---|---|
| पूर्णांक | 100 | | |
| आंतरिक मूल्यांकन | 25 | टर्म पेपर | 10 |
| | | सेमिनार | 15 |
| सैद्धांतिक | 75 | आलोचनात्मक प्रश्न | 20X3=60 |
| | | टिप्पणी | 5X3=15 |

**अनुमोदित ग्रंथ**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | हिन्दी साहित्य का इतिहास | रामचंद्र शुक्ल |
| 2. | साहित्य सहचर | हजारीप्रसाद द्विवेदी |
| 3. | आधुनिक हिन्दी साहित्य | लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय |
| 4. | हिन्दी का गद्य साहित्य | रामचंद्र तिवारी |
| 5. | आधुनिक साहित्य | नंददुलारे वाजपेयी |
| 6. | हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास | विजयेन्द्र स्नातक |
| 7. | साहित्य में गद्य की नई विविध विधाएँ | कैलाशचंद भाटिया |
| 8. | आधुनिक साहित्य का इतिहास | बच्चन सिंह |

**पाठ्यक्रम 7 हिन्दी उपन्यास -I 4 क्रेडिट 100 (75+25)**

इकाई- 1 : **उपन्यास का विकास**

प्रारंभिक हिन्दी उपन्यास

स्वतंत्रता पूर्व हिन्दी उपन्यास

इकाई -2 : **निर्धारित उपन्यास**

परीक्षा गुरु (लाला श्रीनिवास दास)

इकाई-3 : **निर्धारित उपन्यास**

कर्मभूमि (प्रेमचंद)

इकाई-4 : उपर्युक्त तीनों इकाइयों से टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी।

**अंक विभाजन**

| | | | |
|---|---|---|---|
| पूर्णांक | 100 | | |
| आंतरिक मूल्यांकन | 25 | टर्म पेपर | 10 |
| | | सेमिनार | 15 |
| सैद्धांतिक | 75 | आलोचनात्मक प्रश्न | 20X3=60 |
| | | टिप्पणी | 5X3=15 |

**अनुमोदित ग्रंथ**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | उपन्यास का उदय | आयन वॉट |
| 2. | हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा | रामदरश मिश्र |
| 3. | हिन्दी उपन्यास : पहचान और परख | इंद्रनाथ मदान |
| 4. | हिन्दी उपन्यास : 1950 के बाद | सं. निर्मला जैन |
| 5. | उपन्यास और लोकजीवन | राल्फ फॉक्स |
| 6. | हिन्दी उपन्यास का विकास | मधुरेश |
| 7. | उपन्यास का पुनर्जन्म | परमानंद श्रीवास्तव |
| 8. | हिन्दी उपन्यास : स्थिति और गति | चंद्रकांत वांदिवड़ेकर |
| 9. | आधुनिक हिन्दी उपन्यास | सं. नामवर सिंह |
| 10. | हिन्दी उपन्यास का इतिहास | गोपाल राय |

# बी.ए. (ऑनर्स) हिन्दी
# सत्र-4

**पाठ्यक्रम 8 हिन्दी निबंध 4 क्रेडिट 100 (75+25)**

इकाई-1 : **हिन्दी निबंध का उद्भव एवं विकास**

निबंध की शैलियाँ : सूत्र शैली, व्यास शैली, समास शैली, विवेचन शैली, व्यंग्य शैली

निबंध के प्रकार : वर्णनात्मक, विचारात्मक, व्यंग्यात्मक, ललित निबंध

इकाई-2 : **निर्धारित निबंध**

| | |
|---|---|
| 1. स्वर्ग में विचारसभा का अधिवेशन | (भारतेंदु हरिश्चंद्र) |
| 2. बातचीत | (बालकृष्ण भट्ट) |
| 3. एक दुराशा | (बालमुकुंदगुप्त) |
| 4. आचरण की सभ्यता | (सरदार पूर्ण सिंह) |

इकाई-3 : **निर्धारित निबंध**

| | |
|---|---|
| 5. श्रद्धा-भक्ति | (रामचंद्र शुक्ल) |
| 6. नाखून क्यों बढ़ते हैं | (हजारी प्रसाद fno}h) |
| 7. गेहूँ बनाम गुलाब | (रामवृक्षबेनीपुरी) |
| 8. मेरे राम का मुकुट भीग रहा है | (विद्यानिवास मिश्र) |

इकाई-4 : उपर्युक्त तीनों इकाइयों से टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी।

**अंक विभाजन**

| | | | |
|---|---|---|---|
| पूर्णांक | 100 | | |
| आंतरिक मूल्यांकन | 25 | टर्म पेपर | 10 |
| | | सेमिनार | 15 |
| सैद्धांतिक | 75 | आलोचनात्मक प्रश्न | 20X3=60 |
| | | टिप्पणी | 5X3=15 |

**अनुमोदित ग्रंथ**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | हिन्दी गद्य का विकास और प्रमुख शैलीकार | गुलाब राय |
| 2. | हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी | नंददुलारे बाजपेयी |
| 3. | आधुनिक साहित्य | नंददुलारे बाजपेयी |
| 4. | नया साहित्य : नए प्रश्न | नंददुलारे बाजपेयी |
| 5. | निबंध निलय | सत्येंद्र |
| 6. | प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार | हरिमोहन |
| 7. | साहित्य सहचर | हजारीप्रसाद द्विवेदी |

**पाठ्यक्रम 9 साहित्यशास्त्र 4 क्रेडिट 100 (75+25)**

इकाई-1 **भारतीय काव्य शास्त्र-1**

विविध संप्रदायों का परिचय

रस एवं रस- निष्पत्ति

साधारणीकरण

काव्य हेतु, काव्य-प्रयोजन, शब्द शक्ति, अलंकार, छंद, काव्य गुण, काव्य-दोष

इकाई-2 **पाश्चात्य काव्यशास्त्र 1**

अरस्तू : विरेचन, अनुकरण

लॉन्जाइनस : उदात्त

इकाई-3 **पाश्चात्य काव्यशास्त्र 2**

स्वच्छंदतावाद

यथार्थवाद

मार्क्सवाद

इकाई-4 उपर्युक्त तीनों इकाइयों से टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी।

**अंक विभाजन**

| | | | |
|---|---|---|---|
| पूर्णांक | 100 | | |
| आंतरिक मूल्यांकन | 25 | टर्म पेपर | 10 |
| | | सेमिनार | 15 |
| सैद्धांतिक | 75 | आलोचनात्मक प्रश्न | 20X3=60 |
| | | टिप्पणी | 5X3=15 |

**अनुमोदित ग्रंथ**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | काव्यशास्त्र की भूमिका | डॉ. नगेन्द्र |
| 2. | भारतीय काव्यशास्त्र | सत्यदेव चौधरी |
| 3. | नयी समीक्षा के प्रतिमान | निर्मला जैन |
| 4. | साहित्य चिंतन | देवेन्द्र इस्सर |
| 5. | पाश्चात्य साहित्य चिंतन | निर्मला जैन, कुसुम बांठिया |
| 6. | साहित्य सिद्धांत | रेनेवेलेक, ऑस्टिन वारेन |
| 7. | रस-सिद्धांत का पुनर्विवेचन | डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त |
| 8. | भारतीय साहित्यशास्त्र | बलदेव उपाध्याय |
| 9. | हिन्दी उपन्यास में यथार्थवाद | त्रिभुवन सिंह |
| 10. | ekDlZoknh साहित्य चिंतन | शिवकुमार मिश्र |

**पाठ्यक्रम 10 हिन्दी कहानी - । 4 क्रेडिट 100 (75+25)**

इकाई-1 **कहानी का विकास**

प्रारंभिक हिन्दी कहानी

स्वाधीनता पूर्व हिन्दी कहानी

इकाई- 2 **निर्धारित कहानियाँ**

1. एक टोकरी भर मिट्टी माधवराव सप्रे
2. राखीबंद भाई वृंदावनलाल वर्मा
3. कानों में कंगना राजा राधिकारमण प्रसाद सिंह
4. झलमला पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

इकाई- 3 **निर्धारित कहानियाँ**

5. बूढ़ी काकी प्रेमचंद
6. गुंडा जयशंकर प्रसाद
7. पत्नी जैनेन्द्र
8. परदा यशपाल

इकाई- 4 उपर्युक्त तीनों इकाइयों से टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी।

**अंक विभाजन**

| | | | |
|---|---|---|---|
| पूर्णांक | 100 | | |
| आंतरिक मूल्यांकन | 25 | टर्म पेपर | 10 |
| | | सेमिनार | 15 |
| सैद्धांतिक | 75 | आलोचनात्मक प्रश्न | 20X3=60 |
| | | टिप्पणी | 5X3=15 |

**अनुमोदित ग्रंथ**

| | |
|---|---|
| 1. कहानी नयी कहानी | नामवर सिंह |
| 2. हिन्दी कहानी की रचना प्रक्रिया | परमानंद श्रीवास्तव |
| 3. हिन्दी कहानी पाठ और प्रक्रिया | सुरेन्द्र चौधरी |
| 4. हिन्दी कहानी का विकास | मधुरेश |
| 5. कहानी : स्वरूप और संवेदना | राजेन्द्र यादव |
| 6. हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान | रामदरश मिश्र |

# बी.ए. (ऑनर्स) हिन्दी
# सत्र-5

**पाठ्यक्रम 11 हिन्दी नाटक 4 क्रेडिट 100 (75+25)**

इकाई- 1 **हिन्दी नाटक एवं रंगमंच का विकास**

हिन्दी नाटक का उद्भव व विकास

हिन्दी रंगमंच का विकास

नाट्य तत्व : भारतीय एवं पाश्चात्य

इकाई- 2 **निर्धारित नाटक**

ध्रुवस्वामिनी (जयशंकर प्रसाद)

इकाई- 3 **निर्धारित नाटक**

कबिरा खड़ा बजार में (भीष्म साहनी)

f}rh; एवं तृतीय इकाई से नाटककार की नाट्य कला, नाट्य वस्तु, केन्द्रीय समस्या, चारित्रिक विशेषता, संवाद योजना एवं रंग शिल्प से संबंधित प्रश्न किए जाएंगे।

इकाई- 4 उपर्युक्त तीनों इकाइयों से टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी।

**अंक विभाजन**

| | | | |
|---|---|---|---|
| पूर्णांक | 100 | | |
| आंतरिक मूल्यांकन | 25 | टर्म पेपर | 10 |
| | | सेमिनार | 15 |
| सैद्धांतिक | 75 | आलोचनात्मक प्रश्न | 20X3=60 |
| | | टिप्पणी | 5X3=15 |

**अनुमोदित ग्रंथ**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | नाटक और रंगमंच | सं. गिरीश रस्तोगी |
| 2. | रंग दर्शन | नेमिचंद जैन |
| 3. | हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास | दशरथ ओझा |
| 4. | हिन्दी नाटक | बच्चन सिंह |
| 5. | प्रसाद का नाट्य-कर्म | सत्येंद्र कुमार |
| 6. | आज के रंग नाटक | सं. सुरेश अवस्थी |
| 7. | रंग-भाषा | नेमिचन्द्र जैन |

**पाठ्यक्रम 12 हिन्दी उपन्यास - ।। 4 क्रेडिट 100 (75+25)**

इकाई- 1 **उपन्यास का विकास**

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास

समकालीन परिदृश्य

इकाई- 2 **निर्धारित उपन्यास**

बहती गंगा - (शिवप्रसाद रूद्र काशिकेय)

इकाई- 3 **निर्धारित उपन्यास**

डार से बिछुड़ी - (कृष्णा सोबती)

f}rh; एवं तृतीय इकाई से उपन्यासकार की उपन्यास-कला, उपन्यास की अंतर्वस्तु, केन्द्रीय समस्या, चारित्रिक विशेषता एवं उपन्यास के शिल्प से संबंधित प्रश्न किए जाएंगे।

इकाई- 4 उपर्युक्त तीनों इकाइयों से टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी।

**अंक विभाजन**

| | | | |
|---|---|---|---|
| पूर्णांक | 100 | | |
| आंतरिक मूल्यांकन | 25 | टर्म पेपर | 10 |
| | | सेमिनार | 15 |
| सैद्धांतिक | 75 | आलोचनात्मक प्रश्न | 20X3=60 |
| | | टिप्पणी | 5X3=15 |

**अनुमोदित ग्रंथ**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | उपन्यास का उदय | आयन वॉट |
| 2. | हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा | रामदश मिश्र |
| 3. | हिन्दी उपन्यास : पहचान और परख | इंद्रनाथ मदान |
| 4. | हिन्दी उपन्यास : 1950 के बाद | सं. निर्मला जैन |
| 5. | उपन्यास और लोकजीवन | रॉल्फ फाक्स |
| 6. | उपन्यास का सिद्धांत | जार्ज लुकाच |
| 7. | हिन्दी उपन्यास: सार्थकता की पहचान | मधुरेश |
| 8. | उपन्यास का पुनर्जन्म | परमानंद श्रीवास्तव |
| 9. | हिन्दी उपन्यास : स्थिति और गति | चंद्रकांत वांदिवड़ेकर |
| 10. | आधुनिक हिन्दी उपन्यास | सं. नामवर सिंह |

**पाठ्यक्रम 13 हिन्दी कहानी - ।। 4 क्रेडिट 100 (75+25)**

इकाई- 1 **स्वतंत्र्योत्तर कहानी**

नई कहानी

साठोत्तरी कहानी

समकालीन कहानी

इकाई- 2 **निर्धारित कहानियाँ**

1. दोपहर का भोजन - अमरकांत
2. चीफ की दावत - भीष्म साहनी
3. देवी की माँ - कमलेश्वर
4. माया दर्पण - निर्मल वर्मा

इकाई- 3 **निर्धारित कहानियाँ**

5. बाघ - संजीव
6. दोज़खी - शानी
7. राय प्रवीण - मैत्रेयी पुष्पा
8. पचीस चौका डेढ़ सौ - ओमप्रकाश वाल्मीकि

द्वितीय एवं तृतीय इकाई से कहानीकार की कहानी-कला, कहानी की अंतर्वस्तु, केन्द्रीय समस्या, चारित्रिक विशेषता एवं कहानी के शिल्प से संबंधित प्रश्न किए जाएंगे।

इकाई- 4 उपर्युक्त तीनों इकाइयों से टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी।

**अंक विभाजन**

| | | | |
|---|---|---|---|
| पूर्णांक | 100 | | |
| आंतरिक मूल्यांकन | 25 | टर्म पेपर | 10 |
| | | सेमिनार | 15 |
| सैद्धांतिक | 75 | आलोचनात्मक प्रश्न | 20X3=60 |
| | | टिप्पणी | 5X3=15 |

**अनुमोदित ग्रंथ**

| | |
|---|---|
| 1. कहानी नयी कहानी | नामवर सिंह |
| 2. नई कहानी की भूमिका | कमलेश्वर |
| 3. कहानी : स्वरूप और संवेदना | राजेन्द्र यादव |
| 4. समकालीन कहानी का रचना विधान | गंगा प्रसाद विमल |
| 5. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति | देवीशंकर अवस्थी |
| 6. सचेतन कहानी : रचना और विचार | महीप सिंह |
| 7. आज की हिन्दी कहानी | विजय मोहन सिंह |
| 8. कुछ कहानियाँ : कुछ विचार | विश्वनाथ त्रिपाठी |
| 9. कहानी : समकालीन चुनौतियाँ | शंभु गुप्त |
| 10. विवेक के रंग | देवीशंकर अवस्थी |

**पाठ्यक्रम 14 लोक साहित्य 4 क्रेडिट 100 (75+25)**

इकाई- 1 **लोकसाहित्य की अवधारणा**

लोक साहित्य : परिभाषा एवं विशेषता

लोक, लोक वार्ता, लोक संस्कृति और लोक साहित्य

इकाई- 2 **लोक साहित्य का संकलन**

लोक साहित्य के संकलन की समस्याएं

हिन्दी लोक साहित्य-ब्रज, अवधी, भोजपुरी, मगही, मालवी, बघेली छत्तीसगढ़ी, बुंदेली

प्रमुख संकलनकर्ता - रामनरेश त्रिपाठी, देवेन्द्र सत्यार्थी

इकाई- 3 **लोक साहित्य के प्रकार**

लोक गीत - संस्कार-गीत, आनुष्ठानिक गीत, श्रम-गीत, ऋतु-गीत, जाति-गीत

लोकनाट्य - गम्मत, तमाशा, नौटंकी, जात्रा, बिदेसिया

लोक कथा - व्रत कथा, परी कथा, नाग-कथा, बोध कथा

लोक गाथा - ढोला-मारू, लोरिकायन, हीर-रांझा, भरथरी

लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ

इकाई- 4 उपर्युक्त तीनों इकाइयों से टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी।

**अंक विभाजन**

| | | | |
|---|---|---|---|
| पूर्णांक | 100 | | |
| आंतरिक मूल्यांकन | 25 | टर्म पेपर | 10 |
| | | सेमिनार | 15 |
| सैद्धांतिक | 75 | आलोचनात्मक प्रश्न | 20X3=60 |
| | | टिप्पणी | 5X3=15 |

**अनुमोदित ग्रंथ**

| | |
|---|---|
| 1. लोक साहित्य की भूमिका | कृष्णदेव उपाध्याय |
| 2. लोक संस्कृति की रूपरेखा | कृष्णदेव उपाध्याय |
| 3. लोक साहित्य का अध्ययन | त्रिलोचन पाण्डेय |
| 4. कविता कौमुदी | रामनरेश त्रिपाठी |
| 5. आदि हिन्दी के गीत और कहानियां | राहुल सांस्कृत्यायन |
| 6. लोक साहित्य और लोक स्वर | विद्यानिवास मिश्र |
| 7. लोक साहित्य | श्याम परमार |
| 8. लोक साहित्य की भूमिका | प्रो. रवीन्द्र भ्रमर |
| 9. लोक संस्कृति और राष्ट्रवाद | बद्रीनारायण |

**पत्रिकाएँ**

1. मंड़ई - सं. कालीचरण यादव, बिलासपुर, छत्तीसगढ़
2. लोक - पीयूष दइया

**पाठ्यक्रम 15 (क)　　मीरां　　4 क्रेडिट 100 (75+25)**

इकाई- 1 **सगुण भक्ति काव्य परम्परा और मीरां**

युगीन परिवेश, स्त्रियों की दशा,
मीरां की कविता में श्रृंगार पक्ष
मीरां की कविता में विद्रोही स्वर
मीरा की काव्य-भाषा

इकाई- 2 **निर्धारित पाठ**

1. मण थें परस हरि रे चरण ।।1।।
2. म्हारी परनाम बाँके बिहारीजी ।।2।।
3. बस्याँ म्हारे णेणण माँ नंदलाल ।।3।।
4. तनक हरि चितवाँ म्हारी ओर ।।5।।
5. णेणाँ वणज बसावाँ री ।।15।।
6. हेरी म्हाँ तो दरद दिवाणाँ ।।70।।
7. जोगीड़ा णे लाख बधाया रे ।।144।।
8. साजण म्हारे घर आया हो ।।150।।
9. साँवरे मारया तीर ।।155।।
10. झटक्यो मेरी चीर मुरारी ।।170।।

इकाई- 3 **निर्धारित पाठ**

1. म्हाँ गिरधर आगाँ णाच्यारी।।17।।
2. म्हाराँ री गिरधर गोपाल दूसरा णाँ कूयाँ।।18।।
3. मीराँ लागौ रंग हरी ।।25।।

4. नहिं सुख भावै थांरो देसलड़ो रँगरूड़ो ।।32।।
5. राणाजी थे क्याँने राखो म्हाँसूँ बैर ।।34।।
6. धूतारा जोगी एकरसूँ हँसि बोली ।।58।।
7. स्याम बिन दुख पावां सजनी ।।156।।
8. करम गत टाराँ णा री टराँ ।।189।।
9. चालाँ अगम वा देस ।।193।।
10. बन्दे बंदगी मति भूल ।।198।।

**(मीरांबाई की पदावली : सं. आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग)**

f}rh; एवं तृतीय इकाई से व्याख्यात्मक तथा आलोचनात्मक प्रश्न किए जाएंगे।

इकाई- 4 उपर्युक्त तीनों इकाइयों से टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी।

**अंक विभाजन**

| | | | |
|---|---|---|---|
| पूर्णांक | 100 | | |
| आंतरिक मूल्यांकन | 25 | टर्म पेपर | 10 |
| | | सेमीनार | 15 |
| सैद्धांतिक | 75 | आलोचनात्मक प्रश्न | 15X2=30 |
| | | व्यावहारिक समीक्षा | 10X3=30 |
| | | टिप्पणी | 5X3=15 |

**अनुमोदित ग्रंथ**


1. मीराँबाई की पदावली — सं. आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
2. मीराँ संचयन — सं. नंद चतुर्वेदी
3. मीराँ का काव्य — विश्वनाथ त्रिपाठी
4. मीराँ — डॉ. मंजु चतुर्वेदी
5. मीराँबाई का जीवनवृत्त एवं काव्य — डॉ. कल्याणसिंह शेखावत


**पत्रिका**


1. 'कथा' पत्रिका का मीरां पर केन्दित विशेषांक

**पाठ्यक्रम 15 (ख)  रहीम  4 क्रेडिट 100 (75+25)**

इकाई- 1 **रीति काव्य और रहीम**

रीतिकालीन परिवेश और रहीम
रहीम की कविता में भक्ति
रहीम की कविता में नीति
नयिका भेद और बरवै
रहीम की काव्यकला और भाषा

इकाई- 2 **निर्धारित पाठ**

**दोहे**

1. खैर, खून खाँसी, खुसी
2. चाह गई चिंता मिटी
3. जे गरीब पर हित करैं
4. जेहि रहीम तन मन लियो
5. जो रहीम उत्तम प्रकृति
6. जो रहीम आछो बढ़ै
7. दीन सबन को लखत है
8. दीरघ दोहा अरथ के
9. पावस देखि रहीम मन
10. प्रेम पंथ ऐसो कठिन
11. रहिमन ओछे नरन सों
12. बसि कुसंग चाहत
13. मथत मथत माखन रहै

14. माँगे घटत रहीम पद
15. रहिमन गली है साँकरी

**फुटकर पद**

1. एकस्मिन्दिवसावसानसमये, मैं था गया बाग में।

इकाई- 3 **निर्धारित पाठ**

**सोरठा** 1. ओछे को सतसंग
2. रहिमन नीर पखान
3. रहिमन बहरी बाज
4. बिंदु मों सिंधु समान
5. चूल्हा दीन्हो बार

**बरवै**

**(नायिका भेद)** 1. पहिरति चूनि चुनरिया
2. मैं अरु मोर पियरवा
3. बिरहिन अवर बिदेसिया
4. सखियन कीन्ह सिंगरवा
5. चुप होइ रहेउ सँदेसवा

**(भक्तिपरक)** 1. पुन पुन बन्दौं गुरु के
2. कहयो पथिक सँदेसवा
3. वेद पुरान बखानत
4. मानुष तन अति दुर्लभ
5. बिन देखे कल नाहि न

**मदनाष्टक** 1. तरल तरनि सी हैं तीर सी नोकदारैं

**रहीम ग्रंथावली : सं. विद्यानिवास मिश्र**

f}rh; एवं तृतीय इकाइयों से व्याख्यात्मक तथा आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

इकाई- 4 उपर्युक्त तीनों इकाइयों से टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी।

**अंक विभाजन**

| | | | |
|---|---|---|---|
| पूर्णांक | 100 | | |
| आंतरिक मूल्यांकन | 25 | टर्म पेपर | 10 |
| | | सेमीनार | 15 |
| सैद्धांतिक | 75 | आलोचनात्मक प्रश्न | 15X2=30 |
| | | व्यावहारिक समीक्षा | 10X3=30 |
| | | टिप्पणी | 5X3=15 |

**अनुमोदित ग्रंथ**

| | |
|---|---|
| 1. रहीम ग्रंथावली | सं. विद्यानिवास मिश्र |
| 2. रहिमन विलास | सं. ब्रजरत्नदास |
| 3. रहीम | सं. रामनरेश त्रिपाठी |
| 4. रहीम- कवितावली | सं. सुरेन्द्रनाथ तिवारी |
| 5. बरवै नायिका भेद | सं. नकछेदी तिवारी |
| 6. कविता कौमुदी-1 | सं. रामनरेश त्रिपाठी |
| 7. रीति काव्य की भूमिका | डॉ. नगेंद्र |
| 8. रीति काव्य परम्परा | जगदीश गुप्त |

**पाठ्यक्रम 15 (ग)  मोहन राकेश  4 क्रेडिट 100 (75+25)**

इकाई- 1 **मोहन राकेश की कथा एवं नाट्य दृष्टि**

नई कहानी आंदोलन और मोहन राकेश
मोहन राकेश की कथा दृष्टि
मोहन राकेश की भाषा
मोहन राकेश की रंग चेतना

इकाई- 2 **निर्धारित नाटक**

आषाढ़ का एक दिन

(f}rh; इकाई से नाटककार की नाट्यकला, मूल संवेदना, रंगमंचीयता, चारित्रिक विशेषता, संवाद योजना से सम्बंधित प्रश्न पूछे जाएँगे।)

इकाई- 3 **निर्धारित कहानी**

वारिस
आर्द्रा
परमात्मा का कुत्ता
मलबे का मालिक
(कहानीकार की कहानी कला, कहानी की अंतर्वस्तु, केन्द्रीय समस्या, चारित्रिक विशेषता एवं कहानी के शिल्प से सम्बंधित प्रश्न पूछे जाएँगे।)

इकाई- 4 उपर्युक्त तीनों इकाइयों से टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी।

**अंक विभाजन**

| | | | |
|---|---|---|---|
| पूर्णांक | 100 | | |
| आंतरिक मूल्यांकन | 25 | टर्म पेपर | 10 |
| | | सेमीनार | 15 |
| सैद्धांतिक | 75 | आलोचनात्मक प्रश्न | 15X2=30 |
| | | व्यावहारिक समीक्षा | 10X3=30 |
| | | टिप्पणी | 5X3=15 |

**अनुमोदित ग्रंथ**

| | |
|---|---|
| 1. मोहन राकेश और उनके नाटक | गिरीश रस्तोगी |
| 2. आधुनिक नाटक का मसीहा: मोहन राकेश | गोविंद चातक |
| 3. मोहन राकेश की रंग सृष्टि | जगदीश शर्मा |
| 4. नाट्य विमर्श | सं. जयदेव तनेजा |
| 5. मोहन राकेश की कहानियों में युग चेतना | दीप्ति बी. परमार |
| 6. समाजचेता साहित्यकार मोहन राकेश | रूपिका शर्मा |

**पाठ्यक्रम 15 (घ)  नागार्जुन  4 क्रेडिट 100 (75+25)**

इकाई- 1 **नागार्जुन का समय और उनकी कविता**

प्रगतिशील आंदोलन और नागार्जुन
नागार्जुन की सामाजिक चेतना
नागार्जुन की कविता में लोक तत्व
नागार्जुन की व्यंग्य दृष्टि
नागार्जुन की भाषा

इकाई- 2 **निर्धारित कविता**

1. उनको प्रणाम  2. प्रेत का बयान
3. खुरदुरे पैर 4. आओ रानी, हम ढोयेंगे पालकी
5. लू-शुन  6. हरिजन गाथा-1
7. बादल को घिरते देखा है  8. बसंत की आगवानी
9. यह दंतुरित मुस्कान

**(नागार्जुन - चयनित कविताएँ : सं. मैनेजर पाण्डेय)**

इकाई- 3 **निर्धारित उपन्यास**

बलचनमा

इकाई- 4 उपर्युक्त तीनों इकाइयों से संक्षिप्त टिप्पणियाँ पूछी जाएंगी।

**अंक विभाजन**

| | | | |
|---|---|---|---|
| पूर्णांक | 100 | | |
| आंतरिक मूल्यांकन | 25 | टर्म पेपर | 10 |
| | | सेमीनार | 15 |
| सैद्धांतिक | 75 | आलोचनात्मक प्रश्न | 15X2=30 |
| | | व्यावहारिक समीक्षा | 10X3=30 |
| | | टिप्पणी | 5X3=15 |

**अनुमोदित ग्रंथ**

| | |
|---|---|
| 1. नागार्जुन संवाद | विजय बहादुर सिंह |
| 2. 'अलाव' नागार्जुन जन्मशती विशेषांक | सं. रामकुमार कृषक |
| 3. 'उद्भावना' नागार्जुन विशेषांक | सं. अजेय कुमार, दिल्ली |
| 4. नागार्जुन की कविता | अजय तिवारी |
| 5. नागार्जुन का रचना संसार | विजय बहादुर सिंह |
| 5. नागार्जुन का काव्य और युग अंतःसंबंधों का अनुशीलन | जगन्नाथ पंडित |
| 6. कथाकार नागार्जुन | जगन्नाथ पंडित |
| 7. नागार्जुन की चयनित कविताएँ | सं. मैनेजर पाण्डेय |

# बी.ए. (ऑनर्स) हिन्दी
# सत्र-6

**पाठ्यक्रम 16 हिन्दी आलोचना 4 क्रेडिट 100 (75+25)**

इकाई- 1 **हिन्दी आलोचना का विकास**

प्रारम्भिक आलोचना

f}onh युगीन

शुक्ल युगीन

शुक्लोत्तर आलोचना

इकाई- 2 **हिन्दी आलोचना के सिद्धांत**

समाजशास्त्रीय

मनोवैज्ञानिक

प्रगतिशील

नयी समीक्षा

तुलनात्मक

इकाई- 3 **प्रमुख आलोचक**

रामचंद्र शुक्ल, नंददुलारे वाजपेयी, हजारीप्रसाद

f}onh, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह

इकाई- 4 उपर्युक्त तीनों इकाइयों से टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी।

**अंक विभाजन**

| | | | |
|---|---|---|---|
| पूर्णांक | 100 | | |
| आंतरिक मूल्यांकन | 25 | टर्म पेपर | 10 |
| | | सेमिनार | 15 |
| सैद्धांतिक | 75 | आलोचनात्मक प्रश्न | 20X3=60 |
| | | टिप्पणी | 5X3=15 |

**अनुमोदित ग्रंथ**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | साहित्यालोचन | बाबू श्यामसुंदर दास |
| 2. | साहित्य सिद्धांत | रेने वैलेक एवं ऑस्टिन वारेन |
| 3. | आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना | रामविलास शर्मा |
| 4. | इतिहास और आलोचना | नामवर सिंह |
| 5. | मार्क्सवादी साहित्य चिंतन | शिवकुमार मिश्र |
| 6. | हिन्दी आलोचना : बीसवीं सदी | निर्मला जैन |
| 7. | हिन्दी आलोचना के बीज शब्द | बच्चन सिंह |
| 8. | हिन्दी आलोचना | विश्वनाथ त्रिपाठी |
| 9. | हिन्दी आलोचना : बीसवीं शताब्दी | नंदकिशोर नवल |
| 10. | समकालीन आलोचक और आलोचना | रामबक्ष |

**पाठ्यक्रम 17 आधुनिक कविता -I 4 क्रेडिट 100 (75+25)**

इकाई- 1 **नवजागरणकालीन कविता**

नवजागरणकालीन कविता का सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश

राष्ट्रीय चेतना

भारतेन्दु युगीन कविता की सामान्य प्रवृत्तियाँ

f}0दीयुगीन कविता की सामान्य प्रवृत्तियाँ

छायावादी कविता की सामान्य प्रवृत्तियाँ

इकाई- 2 **निर्धारित पाठ**

**भारतेंदु हरिश्चंद्र**

1. नए जमाने की मुकरीःसब गुरुजन को बुरो बतावै,
तीन बुलाए तेरह आवैं, रूप दिखावत सबरस लूटै
इनकी उनकी खिदमत करो, मुंह जब लागै तब नहिं छूटै

2. बकरी विलाप

3. प्रेम माधुरी: क) कूकै लगीं कोइलैं कदंबन पै बैठि फेरि

ख) दीन दयाल कहाइ कै धाई कै

**मैथिलीशरण गुप्त**

1. किसान
2. मातृभूमि
3. स्त्रियाँ (भारत-भारती)

**माखनलाल चतुर्वेदी**

1. अमर राष्ट्र
2. कैदी और कोकिला
3. वेणु लो, गुंजे धरा

इकाई- 3 **निर्धारित पाठ**

**सूर्यकांत त्रिपाठी निरालाः**

1. जूही की कली
2. भिक्षुक
3. सखि वसंत आया

**सुमित्रानंदन पंतः**

1. नौका विहार
2. मोह
3. भारत माता

**महादेवी वर्मा**:

1. टूट गया वह दर्पण
2. फिर विकल हैं प्राण मेरे
3. जाग तुझको दूर जाना

f}तीय एवं तृतीय इकाई से व्याख्यात्मक तथा आलोचनात्मक प्रश्न किए जायेंगे।

इकाई- 4 उपर्युक्त तीनों इकाइयों से टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी।

**अंक विभाजन**

| | | | |
|---|---|---|---|
| पूर्णांक | 100 | | |
| आंतरिक मूल्यांकन | 25 | टर्म पेपर | 10 |
| | | सेमीनार | 15 |
| सैद्धांतिक | 75 | आलोचनात्मक प्रश्न | 15X2=30 |
| | | व्यावहारिक समीक्षा | 10X3=30 |
| | | टिप्पणी | 5X3=15 |

**अनुमोदित ग्रंथ**

| | |
|---|---|
| 1. हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी | नंददुलारे वाजपेयी |
| 2. आधुनिक हिन्दी साहित्य | नंददुलारे वाजपेयी |
| 3. कवि सुमित्रानंदन पंत | नंददुलारे बाजपेयी |
| 4. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ | नामवर सिंह |
| 5. छायावाद | नामवर सिंह |
| 6. हिन्दी साहित्य का इतिहास | सं. डॉ. नगेन्द्र |
| 7. स्वछंदतावाद | डॉ. प्रेमशंकर |
| 8. महादेवी की कविता का नेपथ्य | विजय बहादुर सिंह |
| 9. निराला : आत्महंता आस्था | दूधनाथ सिंह |

**पाठ्यक्रम 18 आधुनिक कविता -।। 4 क्रेडिट 100 (75+25)**

इकाई- 1 **छायावादोत्तर कविता**

सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश
छायावादोत्तर की प्रवृत्तियाँ
राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा
प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, साठोत्तरी कविता एवं समकालीन कविता

इकाई- 2 **निर्धारित पाठ**

**अज्ञेयः**

1. साँप
2. चांदनी जी लो
3. आज तुम शब्द न दो

**मुक्तिबोध:**

1. मुझे कदम पर
2. दिमागी गुहांधकार
3. लकड़ी का रावण

**त्रिलोचनः**

1. उस जनपद का कवि हूँ
2. चंपा काले आखर नहीं चिन्हती
3. धूप सुंदर

इकाई- 3 **निर्धारित पाठ**

**रघुवीर सहाय:**

1. आपकी हँसी
2. पैदल आदमी
3. दो अर्थ का भय

**धूमिल:**

1. अकाल दर्शन
2. खेवली
3. मुनासिब कार्रवाई

**केदारनाथ सिंहः**

1. बनारस
2. नूर मियां
3. टूटा हुआ ट्रक

{}तीय एवं तृतीय इकाई से व्याख्यात्मक तथा आलोचनात्मक प्रश्न किए जायेंगे।

इकाई- 4 उपर्युक्त तीनों इकाइयों से टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी।

**अंक विभाजन**

| | | | |
|---|---|---|---|
| पूर्णांक | 100 | | |
| आंतरिक मूल्यांकन | 25 | टर्म पेपर | 10 |
| | | सेमीनार | 15 |
| सैद्धांतिक | 75 | आलोचनात्मक प्रश्न | 15X2=30 |
| | | व्यावहारिक समीक्षा | 10X3=30 |
| | | टिप्पणी | 5X3=15 |

**अनुमोदित ग्रंथ**


1. छायावादोत्तर हिन्दी कविता की प्रवृत्तियाँ त्रिलोचन पाण्डेय
2. कविता के नए प्रतिमान नामवर सिंह
3. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ नामवर सिंह
4. तारसप्तक की भूमिका अज्ञेय
5. नई कविता और अस्तित्ववाद रामविलास शर्मा
6. विपक्ष का कवि धूमिल राहुल
7. मुक्तिबोध की कविताई अशोक चक्रधर
8. अज्ञेय : कवि और काव्य राजेन्द्र प्रसाद
9. त्रिलोचन के बारे में सं. गोबिंद प्रसाद
10. केदारनाथ सिंह: बिंब से आख्यान तक गोबिंद प्रसाद
11. समकालीन कविता विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी

**पाठ्यक्रम 19 व्यंग्य साहित्य 4 क्रेडिट 100 (75+25)**

इकाई- 1 **व्यंग्य का स्वरूप**

व्यंग्य की अवधारणा
व्यंग्य के प्रकार
व्यंग्य और सौंदर्यबोध
व्यंग्य और यथार्थबोध

इकाई- 2 **निर्धारित पाठ**

**नाटक :** सर्वेश्वर दयाल सक्सेना बकरी

इकाई- 3 **निर्धारित पाठ**

**निबंध :** हरिशंकर परसाई निंदा रस
शरद जोशी जीप पर सवार इल्लियाँ

**कविता :** बालमुकुंद गुप्त कर्ज़नाना
नाथूराम शर्मा 'शंकर' गर्भरंडा रहस्य
सूर्यकांत त्रिपाठी निराला गरम पकौड़ी

इकाई- 4 उपर्युक्त तीनों इकाइयों से टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी।

**अंक विभाजन**

| | | | |
|---|---|---|---|
| पूर्णांक | 100 | | |
| आंतरिक मूल्यांकन | 25 | टर्म पेपर | 10 |
| | | सेमीनार | 15 |
| सैद्धांतिक | 75 | आलोचनात्मक प्रश्न | 20X3=60 |
| | | टिप्पणी | 5X3=15 |

**अनुमोदित ग्रंथ**

| | |
|---|---|
| 1. हिन्दी की हास्य-व्यंग्य विधा का स्वरूप और विकास | इन्द्रनाथ मदान |
| 2. व्यंग्य विवेचन | श्याम सुंदर घोष |
| 3. व्यंग्य का समकालीन परिदृश्य | सं. प्रेम जनमेयजय |
| 4. व्यंग्य : विधा और विविधा | सं. डॉ. मधुसूदन पाटिल |
| 5. आधुनिक हिन्दी साहित्य में व्यंग्य | डॉ. वीरेंद्र मेंहदीरत्ता |
| 6. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता में व्यंग्य | डॉ. शेरजंग गर्ग |
| 7. हिन्दी व्यंग्य परम्परा | डॉ. मनोहर देवलिया |
| 8. आधुनिक व्यंग्य का स्रोत और स्वरूप | डॉ. छविनाथ मिश्र |
| 9. देश के इस दौर में | विश्वनाथ त्रिपाठी |
| 10. हरिशंकर परसाईः व्यंग्य की गहराई और व्याप्ति | वेदप्रकाश |

**पाठ्यक्रम 20 (क) हिन्दी पत्रकारिता 4 क्रेडिट 100 (75+25)**

इकाई- 1 **हिन्दी पत्रकारिता का विकास**

उन्नीसवीं सदी की पत्रकारिता
बीसवीं सदी की पत्रकारिता
समकालीन पत्रकारिता
आचार संहिता
पत्रकारिता की भाषा
(इस इकाई से परिचयात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।)

इकाई- 2 **पत्रकारिता लेखन**

**समाचार :** समाचार के तत्व, समाचार अनुवर्तन, समाचार लेखन की प्रक्रिया
**फीचर :** फीचर के तत्व, फीचर लेखन
**संपादकीय :** संपादकीय की विशेषताएँ, संपादकीय लेखन
**समीक्षा :** समीक्षा की प्रक्रिया एवं लेखन
**साक्षात्कार :** साक्षात्कार के लिए आवश्यक तैयारी और साक्षात्कार
(इस इकाई से परिचयात्मक और व्यावहारिक प्रश्न पूछे जाएंगे।)

इकाई- 3 **संपादन**

संपादन की प्रक्रिया
कॉपी एडिटिंग
शीर्षक एवं शीर्षक के प्रकार
उप-सम्पादक की भूमिका
(इस इकाई से परिचयात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।)

इकाई- 4 उपर्युक्त तीनों इकाइयों से टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी।

**अंक विभाजन**

| | | | |
|---|---|---|---|
| पूर्णांक | 100 | | |
| आंतरिक मूल्यांकन | 25 | टर्म पेपर | 10 |
| | | सेमिनार | 15 |
| सैद्धांतिक | 75 | आलोचनात्मक प्रश्न | 20X3=60 |
| | | टिप्पणी | 5X3=15 |

**अनुमोदित ग्रंथ**

| | |
|---|---|
| 1. पत्रकारिता, इतिहास और प्रश्न | कृष्ण बिहारी मिश्र |
| 2. पत्रकारिता का इतिहास | एन सी पंत |
| 3. पत्रकारिता की लक्ष्मण रेखा | आलोक मेहता |
| 4. समाचार फीचर लेखन और संपादन कला | हरिमोहन |
| 5. हिन्दी पत्रकारिता : सिद्धांत और स्वरूप | सविता चड्ढा |
| 6. हिन्दी पत्रकारिता : स्वरूप और संरचना | चंद्रदेव यादव |
| 7. संपादन पृष्ठ सज्जा और मुद्रण | रमेश जैन |
| 8. फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प | मनोहर प्रभाकर |
| 9. मीडिया लेखन | चंद्रप्रकाश मिश्र |

पाठ्यक्रम **20 (ख) कार्यालयी हिन्दी 4 क्रेडिट 100 (75+25)**

इकाई- 1 **कार्यालयी हिन्दी का स्वरूप**

कार्यालयी हिन्दी : स्वरूप एवं प्रकृति
राजभाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा
राजभाषा हिन्दी : संवैधानिक स्थिति
सर्जनात्मक भाषा एवं संचार भाषा

इकाई- 2 **पत्र लेखन**

कार्यालयी पत्र
व्यावसायिक पत्र
वाणिज्यिक पत्र
व्यापारिक पत्र

इकाई- 3 **प्रशासनिक हिन्दी**

प्रशासनिक शब्दावली
प्रारूपण, टिप्पण, पल्लवन, संक्षेपण
हिन्दी की नवनिर्मित पारिभाषिक शब्दावली

इकाई- 4 उपर्युक्त तीनों इकाइयों से टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी।

**अंक विभाजन**

| | | | |
|---|---|---|---|
| पूर्णांक | 100 | | |
| आंतरिक मूल्यांकन | 25 | टर्म पेपर | 10 |
| | | सेमिनार | 15 |
| सैद्धांतिक | 75 | आलोचनात्मक प्रश्न | 20X3=60 |
| | | टिप्पणी | 5X3=15 |

**अनुमोदित ग्रंथ**

| | |
|---|---|
| 1. हिन्दी में सरकारी कामकाज | रामविनायक सिंह |
| 2. राजभाषा हिन्दी | कैलाशचंद्र भाटिया |
| 3. प्रयोजनमूलक हिन्दी | दंगल झाल्टे |
| 4. व्यावहारिक हिन्दी एवं प्रयोग | ओमप्रकाश |
| 5. प्रालेखन प्रारूप | शिवनारायण चतुर्वेदी |

पाठ्यक्रम **20 (ग) जनसंचार माध्यम लेखन 4 क्रेडिट 100 (75+25)**

इकाई- 1 **जनसंचार लेखन का स्वरूप**

जनसंचार : अभिप्राय और महत्व
जनसंचार लेखन के सिद्धांत
जनसंचार लेखन के विविध रूप
जनसंचार लेखन की भाषा

इकाई- 2 **जनसंचार लेखन और रचनात्मकता**

रचनात्मकता के तत्व
रचनात्मकता के विभिन्न रूप
रचनात्मक भाषा के उपादान
जनसंचार लेखन में रचनात्मकता
रचनात्मक भाषा और जनसंचार की भाषा

इकाई- 3 **जनसंचार लेखन**

समाचार
यात्रा वृत्तांत
संवाद लेखन (फिल्म)
लेख
साक्षात्कार

इकाई- 4 उपर्युक्त तीनों इकाइयों से टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी।

**अंक विभाजन**

| | | | |
|---|---|---|---|
| पूर्णांक | 100 | | |
| आंतरिक मूल्यांकन | 25 | टर्म पेपर | 10 |
| | | सेमिनार | 15 |
| सैद्धांतिक | 75 | आलोचनात्मक प्रश्न | 20X3=60 |
| | | टिप्पणी | 5X3=15 |

**अनुमोदित ग्रंथ**

| | |
|---|---|
| 1. संचार माध्यमों की भूमिका | रेमण्ड विलियम्स |
| 2. जनसंचार माध्यम : विविध आयाम | बृजमोहन गुप्त |
| 3. संचार माध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य | जवरीमल्ल पारख |
| 4. हिन्दी पत्रकारिता : स्वरूप और संरचना | चंद्रदेव यादव |
| 5. मीडिया लेखन | चंद्रप्रकाश मिश्र |
| 6. पटकथा लेखन : एक परिचय | मनोहर श्याम जोशी |
| 7. पटकथा लेखन : एक निर्देशिका | असग़र वजाहत |
| 8. रचना प्रक्रिया और शिल्प के बारे में | मैक्सिम गोर्की |

**पाठ्यक्रम 20 (घ) हिन्दीतर गद्य साहित्य 4 क्रेडिट 100 (75+25)**

इकाई-1 **नाटक**

कमला (मराठी) विजय तेंदुलकर

इकाई- 2 **कहानी**

1. पत्नी का पत्र (बांग्ला) रवीन्द्रनाथ टैगोर
2. संस्कार (असमिया) इंदिरा गोस्वामी
3. जूता (उर्दू) अहमद नदीम क़ासिमी
4. गाँव की बेटी (पंजाबी) रामस्वरूप अणखी

इकाई- 3 **उपन्यास**

मछुआरे (तमिल) तकषी शिवशंकर पिल्लई

इकाई- 4 उपर्युक्त तीनों इकाइयों से टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी।

**अंक विभाजन**

| | | | |
|---|---|---|---|
| पूर्णांक | 100 | | |
| आंतरिक मूल्यांकन | 25 | टर्म पेपर | 10 |
| | | सेमिनार | 15 |
| सैद्धांतिक | 75 | आलोचनात्मक प्रश्न | 20X3=60 |
| | | टिप्पणी | 5X3=15 |

## अनुमोदित ग्रंथ

| | |
|---|---|
| 1. भारतीय साहित्य की भूमिका | रामविलास शर्मा |
| 2. भारतीय नयी कविता | कृष्णदत्त पालीवाल |
| 3. भारतीय साहित्य : स्थापनाएं और प्रस्तावनाएं | के. सच्चिदानंद |
| 4. भारतीय साहित्य परंपराः संघर्ष का उपयोग (लेखन/सर्जना और संदर्भ) | अज्ञेय |
| 5. भारतीय साहित्य | डॉ. रामछबीला त्रिपाठी |
| 6. भारतीय साहित्य की कहानी | भगवतशरण उपाध्याय |